V

Printed Pages : 7

(20126)

Roll No. .....

L.L.B. - I Sem.

11200

L.L.B. Examination, December. 2025

LAW

Jurisprudence – I (Legal Theory)

(K-1001)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

Note : This paper is divided into three **Sections-A,B** and **C. Section-A** contains very short answer questions, **Section-B** contains short answer questions and **Section-C** contains descriptive answer questions. Attempt **all** the sections as per instructions.

नोट : इस प्रश्न-पत्र को तीन **खण्डों-अ, ब** तथा **स** में विभाजित किया गया है। **खण्ड-अ** में अति लघु उत्तरीय प्रश्न, **खण्ड-ब** में लघु उत्तरीय प्रश्न तथा **खण्ड-स** में विस्तृत उत्तरीय प्रश्न हैं। **सभी** खण्डों को निर्देशानुसार हल कीजिए।

Section–A (खण्ड-अ)

(Very Short Answer Type Questions)

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : This section contains **five** questions, **all questions are compulsory.** Each question carries 4 marks. Very short answer is required. 5×4=20

नोट : इस खण्ड के सभी **पांच** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है। अति लघु उत्तर अपेक्षित है।

1. Write the economic definition of Law given by Karl Marx.

   कार्ल मार्क्स की विधि की आर्थिक परिभाषा लिखिए।

2. How Kelsen was influenced by Austin?

   केल्सेन, आस्टिन से किस प्रकार प्रभावित थे?

3. What is the meaning of Legal Positivism?

   विधिक प्रत्यक्षवाद का क्या अर्थ है?

4. Name of the books written by Sir Henry Maine and Savigny. Two each.

सर हेनरी मेन एवं सैविनी द्वारा लिखित पुस्तकों के नाम लिखिये। प्रत्येक की दो-दो।

5. Contribution of Leon Duguit.

लियोन डुगुइट का योगदान।

Section–B (खण्ड-ब)

(Short Answer Type Questions)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : This section contains three questions, attempt any **two** questions of this section. Each question carries 10 marks. Short Answer is required not exceeding 200 words. 2×10=20

नोट : इस खण्ड में तीन प्रश्न हैं, **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। लगभग 200 शब्दों में लघु उत्तर दीजिए।

6. Evaluate the need for the study of Jurisprudence.

विधिशास्त्र के अध्ययन की आवश्यकता का मूल्यांकन कीजिए।

7. Is it correct to say that Pure Theory of Law has left dry bones of law, deprived of flesh and blood, which give them life? Explain.

क्या यह कथन सत्य है कि विशुद्ध विधि सिद्धान्त ने विधि की सूखी हड्डियों को छोड़ा है जिसमें माँस और रक्त नहीं है, जो उसको जीवन देता है? स्पष्ट कीजिए।

8. The prophesies of what the courts will do in fact, and nothing more pretentious, are what I mean by the Law. Discuss.

न्यायालय वास्तव में क्या करेंगें इससे सम्बन्ध रखने वाली पूर्वोक्तियाँ, न कि उससे बढ़कर कोई सिद्धान्त, मेरे अनुसार कानून है। विवेचना कीजिए।

Section–C (खण्ड-स)

(Long Answer Type Questions)

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

Note : This section contains Five questions, attempt any **three** questions of this section. Each question carries 20 marks. Long Answer is required.

$3 \times 20 = 60$

नोट : इस खण्ड में पांच प्रश्न हैं, **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। दीर्घ उत्तर अपेक्षित हैं।

9. According to Austin, Jurisprudence can be divided into 'General and Particular.' To what extent do Holland and Salmond agree with this view?

ऑस्टिन के अनुसार, विधिशास्त्र का वर्गीकरण 'सामान्य एवं विशिष्ट' दो भागों में हो सकता है। हॉलैण्ड एवं सामण्ड इस मत से कहाँ तक सहमत हैं?

10. The movement of progressive societies has hither to bean a movement from status to contract. Comment on this, statement and show how far it is applicable in India?

प्रगतिशील समाजों की प्रगति अब तक प्रस्थिति से संविदा की ओर रही है। यह कथन भारत में कितना लागू है, स्पष्ट कीजिए।

11. The aim of social engineering is to build an efficient structure of society as possible, which involves the balancing of competing interests, Discuss.

सामाजिक अभियान्त्रिकी का उद्देश्य जितना भी सम्भव हो सके, समाज के एक सशक्त ढाँचें की रचना करना है, जिसका मुख्य कार्य परस्पर विरोधी हितों में समन्वय स्थापित करना है। विवेचना कीजिए।

12. "Law is the body of principles, recognized and applied by the state in the administration of Justice." Discuss.

"विधि, राज्य द्वारा, न्याय प्रशासन में मान्यता प्राप्त एवं प्रयुक्त सिद्धान्तों का एक निकाय है।" विवेचना कीजिए।

13. The basis of natural law was the man's reason and wisdom and not the spiritual power of God. Discuss.

प्राकृतिक विधि का आधार मानव ज्ञान व विवेक था, न कि ईश्वर की दैवीय शक्ति। विवेचना कीजिए।